



एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद — जीवन परिचय पर आधारित संदेश श्रृंखला

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद (भाग 8) — अंतिम वर्ष

रविवार संदेश, 25 अक्टूबर 2026

अंतिम वर्ष — मशाल सौंपना

1 राजा अध्याय 1-2, 1 इतिहास अध्याय 22-29

यह उसके जीवन के अंतिम लगभग 3 वर्षों के बारे में है। दाऊद की आयु लगभग 67-70 वर्ष थी।

इस अवधि की प्रमुख बातें: मंदिर की तैयारियाँ 1 इतिहास 22-27 सुलैमान को निर्देश 1 इतिहास 28 दाऊद की अंतिम सभा/प्रार्थना 1 इतिहास 29 अदोनियाह ने सिंहासन पर अधिकार करने का प्रयास किया, दाऊद ने शीघ्रता से कार्य किया और सुलैमान को राजा बनाया 1 राजा 1 दाऊद के अंतिम निर्देश; दाऊद की मृत्यु 1 राजा 2; 1 इतिहास 29

जीवन में सफलतापूर्वक बदलाव के दौर से गुजरने के बारे में प्रमुख सीख

परमेश्वर की योजना का अनुसरण करें

दाऊद के हृदय में वाचा के सन्दूक के लिए एक मंदिर बनाने की इच्छा थी, ताकि उसे तम्बू/मिलापवाले तम्बू में न रखना पड़े। 1 इतिहास 17:11-15 में परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ता नातान के द्वारा दाऊद से कहा था कि वह मंदिर का निर्माण नहीं करेगा। दाऊद ने इसके लिए तैयारियाँ कीं और अपने पुत्र सुलैमान तथा अगुवों को मिलकर मंदिर बनाने का निर्देश दिया। दाऊद ने परमेश्वर की योजना का अनुसरण किया और सुलैमान को मंदिर का निर्माण करने दिया।

1 इतिहास 22:5,11,17

5 तब दाऊद ने कहा, “मेरा पुत्र सुलैमान अभी जवान और अनुभवहीन है, और जो भवन यहोवा के लिए बनाया जाना है, वह अत्यन्त भव्य, प्रसिद्ध और सब देशों में महिमामय होना चाहिए। इसलिए मैं अब उसके लिए तैयारी करूँगा।” अतः दाऊद ने अपनी मृत्यु से पहले बहुतायत से तैयारियाँ कीं।

11 अब हे मेरे पुत्र, यहोवा तेरे साथ रहे; और तू सफल हो, और अपने परमेश्वर यहोवा का भवन बनाए, जैसा उसने तेरे विषय में कहा है।



एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद — जीवन परिचय पर आधारित संदेश श्रृंखला

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

17 दाऊद ने इस्राएल के सब अगुवों को भी अपने पुत्र सुलैमान की सहायता करने की आज्ञा दी।

व्यवस्थित और सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित करें

दाऊद के पुत्रों में से एक, अदोनियाह ने स्वयं को राजा घोषित कर दिया। जब अदोनियाह ने सिंहासन पर अधिकार करने का प्रयास किया, तो दाऊद ने शीघ्रता से प्रतिक्रिया दी। उसने सुलैमान को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया। (1 राजा 1)।

1 इतिहास 23:1

जब दाऊद बूढ़ा और पूरी आयु का हो गया, तब उसने अपने पुत्र सुलैमान को इस्राएल का राजा बनाया।

दाऊद ने लेवियों (अध्याय 23), याजकों (अध्याय 24), संगीतकारों (अध्याय 25), द्वारपालों, भण्डारियों और अन्य अधिकारियों (अध्याय 26), तथा सेना (अध्याय 27) को व्यवस्थित किया। उसने सुनिश्चित किया कि सब कुछ व्यवस्थित हो। उसने उन सभी को निर्देश दिया कि वे आनेवाली पीढ़ियों के लिए इन कार्यों को जारी रखें।

1 इतिहास 28:8-10

8 इसलिए अब, समस्त इस्राएल की उपस्थिति में, जो यहोवा की सभा है, और हमारे परमेश्वर के सुनते हुए, अपने परमेश्वर यहोवा की सब आज्ञाओं को मानने में चौकस रहो, ताकि तुम इस अच्छे देश के अधिकारी हो और इसे अपने बाद अपनी सन्तान के लिए सदा की विरासत के रूप में छोड़ जाओ।

9 और हे मेरे पुत्र सुलैमान, तू अपने पिता के परमेश्वर को जान और खरे मन तथा स्वेच्छा से उसकी सेवा कर; क्योंकि यहोवा सब मनो को जाँचता और विचारों की सब कल्पनाओं को समझता है। यदि तू उसे ढूँढ़ेगा, तो वह तुझे मिलेगा; परन्तु यदि तू उसे त्याग देगा, तो वह तुझे सदा के लिए त्याग देगा।

10 अब ध्यान कर, क्योंकि यहोवा ने तुझे पवित्रस्थान के लिए भवन बनाने को चुना है। हियाव बाँध और इस काम को कर।

दाऊद स्पष्ट और दृढ़ था। उसने राज्य, अगुवों और लोगों का सुलैमान को सुचारु रूप से हस्तांतरण किया, ताकि सभी सुलैमान का सम्मान करें।

हर कार्यभार के लिए पवित्र आत्मा की सामर्थ पर निर्भर रहें

1 इतिहास 28:11-12,19



एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद — जीवन परिचय पर आधारित संदेश श्रृंखला

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

11 तब दाऊद ने अपने पुत्र सुलैमान को ओसारे, उसके भवनों, भण्डारों, ऊपरी कमरों, भीतरी कमरों और प्रायश्चित्त के स्थान की योजना दी।

12 और उन सब वस्तुओं की योजनाएँ भी दीं जो उसने पवित्र आत्मा के द्वारा प्राप्त की थीं—यहोवा के भवन के आँगनों की, चारों ओर के सब कमरों की, परमेश्वर के भवन के भण्डारों की और पवित्र की हुई वस्तुओं के भण्डारों की।

19 दाऊद ने कहा, “ये सब बातें यहोवा ने अपने हाथ से मुझ पर होकर लिखित रूप में समझाई हैं, अर्थात् इन योजनाओं के सब कार्यों के विषय में।”

दाऊद ने पवित्र आत्मा की सामर्थ से मंदिर की योजना बनाई।

परमेश्वर ने हमारे लिए जो भी कार्यभार निर्धारित किया है, उसके लिए वह पवित्र आत्मा की सामर्थ प्रदान करता है।

उदाहरण प्रस्तुत करें। दर्शन को साझा करें। परमेश्वर उस दर्शन के अनुसार परिस्थितियों को व्यवस्थित करेगा।

1 इतिहास 29:1-9

1 फिर राजा दाऊद ने समस्त सभा से कहा, “मेरा पुत्र सुलैमान, जिसे अकेले परमेश्वर ने चुना है, जवान और अनुभवहीन है; और यह काम बहुत बड़ा है, क्योंकि यह मंदिर किसी मनुष्य के लिए नहीं, बल्कि परमेश्वर यहोवा के लिए है।

2 इसलिए मैंने अपनी पूरी शक्ति लगाकर अपने परमेश्वर के भवन के लिए तैयारी की है—सोने की वस्तुओं के लिए सोना, चाँदी की वस्तुओं के लिए चाँदी, पीतल की वस्तुओं के लिए पीतल, लोहे की वस्तुओं के लिए लोहा, लकड़ी की वस्तुओं के लिए लकड़ी, सुलैमानी पत्थर, जड़ने के लिए पत्थर, विभिन्न रंगों के चमकदार पत्थर, सब प्रकार के बहुमूल्य पत्थर और बहुतायत में संगमरमर की पट्टियाँ।

3 इसके अतिरिक्त, अपने परमेश्वर के भवन के प्रति अपने प्रेम के कारण, मैंने पवित्र भवन के लिए अपनी तैयारियों से बढ़कर अपनी निजी सम्पत्ति में से सोना-चाँदी भी अपने परमेश्वर के भवन को दिया है।

4 अर्थात् ओपीर का तीन हजार तोड़ा सोना और दीवारों पर मढ़ने के लिए सात हजार तोड़ा शुद्ध चाँदी।



एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद — जीवन परिचय पर आधारित संदेश श्रृंखला

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

5 सोने की वस्तुओं के लिए सोना और चाँदी की वस्तुओं के लिए चाँदी, और कारीगरों के हाथों से किए जानेवाले सब प्रकार के काम के लिए। अब आज कौन यहोवा के लिए अपने आपको समर्पित करने को तैयार है?”

6 तब पितरों के घरानों के प्रधानों, इस्राएल के गोत्रों के प्रधानों, हजार-हजार और सौ-सौ के सेनापतियों तथा राजा के काम के अधिकारियों ने स्वेच्छा से भेंट दी।

7 उन्होंने परमेश्वर के भवन के काम के लिए पाँच हजार तोड़ा सोना और दस हजार दारिक, दस हजार तोड़ा चाँदी, अठारह हजार तोड़ा पीतल और एक लाख तोड़ा लोहा दिया।

8 और जिसके पास बहुमूल्य पत्थर थे, उसने उन्हें यहोवा के भवन के भण्डार में गेशोनी यहिएल के हाथ में सौंप दिया।

9 तब लोग आनन्दित हुए, क्योंकि उन्होंने स्वेच्छा से भेंट दी थी; उन्होंने खरे मन से यहोवा को स्वेच्छा से दिया था। और राजा दाऊद भी बहुत आनन्दित हुआ।

आप जो उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, वही लोगों को दर्शन की ओर आकर्षित करने का सबसे बड़ा माध्यम है।

दाऊद ने पहले दिया, और फिर सभी अगुवों तथा लोगों ने भी दिया।

भविष्य के लिए तैयारी करें। बुद्धि को आगे सौंपें। निरंतरता सुनिश्चित करें।

1 इतिहास 29:23-24

23 तब सुलैमान अपने पिता दाऊद के स्थान पर यहोवा के सिंहासन पर राजा होकर बैठा और समृद्ध हुआ; और समस्त इस्राएल ने उसकी आज्ञा मानी।

24 सब अगुवों, वीरों और राजा दाऊद के सभी पुत्रों ने भी राजा सुलैमान के अधीन होना स्वीकार किया।

नीतिवचन 4:3-7

3 जब मैं अपने पिता का पुत्र था, और अपनी माता की दृष्टि में कोमल और अकेला था,

4 तब उन्होंने मुझे सिखाया और कहा, “तेरा मन मेरी बातें बनाए रखे; मेरी आज्ञाओं का पालन कर और जीवित रह।



एक सफल बदलाव के लिए कैसे तैयारी करें

राजा दाऊद — जीवन परिचय पर आधारित संदेश श्रृंखला

संदेश नोट्स, संदेश रूपरेखा और छोटे समूह के अध्ययन के लिए मार्गदर्शिका

5 बुद्धि प्राप्त कर! समझ प्राप्त कर! न तो भूल और न मेरे मुँह की बातों से विमुख हो।

6 उसे न त्याग, और वह तेरी रक्षा करेगी; उससे प्रेम कर, और वह तेरी रक्षा करेगी।

7 बुद्धि सबसे मुख्य बात है; इसलिए बुद्धि प्राप्त कर। और जो कुछ तू प्राप्त करे, उसके साथ समझ भी प्राप्त कर।”

सुलैमान ने बताया कि उसके पिता दाऊद ने उसे बुद्धि की खोज करने और उसका अनुसरण करने की शिक्षा दी थी। दाऊद ने अवश्य ही सुलैमान को सिखाया और उसकी भविष्य की भूमिका के लिए तैयार किया होगा, सम्भवतः जानबूझकर।

हम नहीं जानते कि अपने पिता दाऊद की मृत्यु के बाद शासन आरम्भ करते समय सुलैमान की आयु कितनी थी। कुछ विद्वानों का सुझाव है कि उसकी आयु लगभग 20 वर्ष रही होगी—हालाँकि हम निश्चित रूप से नहीं जानते।

परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार अपनी पीढ़ी की सेवा करें

प्रेरितों के काम 13:36

क्योंकि दाऊद तो परमेश्वर की इच्छा के अनुसार अपनी ही पीढ़ी की सेवा करके सो गया, और अपने पुरखाओं के साथ मिलाया गया, और उसका शरीर सड़ गया।

दाऊद ने परमेश्वर के उद्देश्यों के अनुसार अपनी पीढ़ी की सेवा की। हममें से प्रत्येक को भी यही करना है—जिस पीढ़ी में हम रहते हैं, उसकी सेवा परमेश्वर की इच्छा और उद्देश्य के अनुसार करना।